



NEWS CLIPPING:24.03.2023

PUNJAB KESARI

दिमाग में कश्मीर, दिल में कश्मीरियत और हाथों में तिरंगा लिए लौटे विद्यार्थी

फरीदाबाद, 23 मार्च (ब्लूरो): दिमाग में कश्मीर, दिल में कश्मीरियत, हाथों में तिरंगा है। जम्मू व कश्मीर की चास्तविक परिस्थिति का अध्ययन कर लौटे जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों डल झील में शिकाया पर खानपान से लेकर खरीदारी तक के अनुभव साझा किए। कहा कश्मीरी पंडितों के दर्द छलका तो उनकी पर चापसी की उम्मीद भी जगी। इस अवसर पर कृतिपति श्री. सुरेश कुमार तोमर ने बालां भी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संचार एवं मीडिया ऐश्वर्यिकी विभाग के ढीन प्रौ. अतुल पिंडा ने कहा कि विभाग को अपने विद्यार्थियों पर गर्व है। जिस उद्देश्य के साथ विद्यार्थी जम्मू व कश्मीर अध्ययन के लिए गए थे, उन्होंने उसे पूरी किया। विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह नालिक ने विद्यार्थियों के प्रयासों की समर्पण करते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में जाकर वहाँ की चास्तविक स्थिति का अध्ययन करना विद्यार्थियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, लेकिन विद्यार्थियों ने पूरी तरान के साथ अपना अध्ययन पूर्ण किया जोकि उन्हें आगे शोध कार्य में मदद करेगा।

यात्रा में जामिल विद्यार्थियों ने अपने अनुभव ज़मीनबाट खाना ने बताया कि कश्मीर में दौरों के दौरान एक सेवानिवार्ता अधिकारी गुलाम मोहम्मद खान ने बताया कि उन्होंने 1980 से फहले धारा 370 हटाने की मांग रखी और लंबे समय तक आंदोलन चलाया। पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नवी आजाद की प्रवक्ता सुलभा बरीर ने बताया कि उनकी पांडी का प्रयास है कि आंतकाबाद पिर कठी न पनपे और ज़रूर जग्गार के अवसर की संभावनाओं के लिए कार्य करेंगी। कश्मीरी पंडितों के दूनकीस में हरसंभव प्रयास करेंगी।



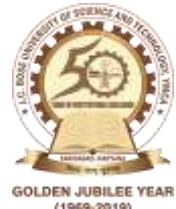
कश्मीर अध्ययन यात्रा में 45 सदस्यों वाली टीम में शामिल जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के मीडिया के विद्यार्थी में कृष्णा, हंगत, साहिल कौशिक, अरिहंत के साथ प्रोडक्शन सहायक रामरसन पाल सिंह एवं अन्य। (छाया: एस शर्मा)

■ कश्मीर वापस लौटे जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के मीडिया विद्यार्थियों ने साझा किए अनुभव

कश्मीरी विद्यार्थियों ने अपनी समस्या से रुक्ख कर द्ये हुए बताया कि धारा 370 हटाने के बाद उन्हें अपनी केंद्रीय शिक्षा की मुख्यभारा में जाने में समय लगता है। मोहम्मद रामशाद कहते हैं कि अल्लाह का शुक्र है यहाँ धारा 370 हटाने के बाद आतंकावाद पर रोक लगी। अधिकार अक्षरी हांगां का कहना है कि बह अवगत की मदद करने को हमेशा लेयर रखते हैं। उन्होंने 370 हटाए जाने के फैसले का स्वाक्षर किया। आज उनके दिमाग में कश्मीर, दिल में कश्मीरियत और हाथों में तिरंगा है।

यात्रा टीम के डल झील में शिकाया पर स्वार होकर खानपान से ले कर खरीदारी का अनुभव अविवरणीय रहे। भालौय नूरस्त आने से टीम इंडस्ट्री में रीनक हैंटेन लगी है और अब विदेशियों

के आगमन से दूरीजम व्यवहार ज्ञान्यादा प्रोत्साहन मिलेगा। कश्मीर में जलाशय के बीच स्वाक्षिप्त मंदिर भूमिगत जल स्रोत संरक्षण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। गंदरबल विले के तुलमुल में छ: हजार वर्ष पुराना प्रसिद्ध एवं प्राचीन खोर भवानी मंदिर हिन्दूओं के प्रमुख तीर्थस्थल है। इसे कश्मीरी पंडितों की कुलदेवी भी कहा जाता है। इस मंदिर की किंशेष्वार यह है कि किसी भी प्राकृतिक आपदा की पूर्व सूचना का संकेत देते हुए इसके जलकुंड का पानी लाल व काले रंग में बदल जाता है। ग्रान कश्मीर रेतुलेशन संस्था यहाँ के विद्यार्थियों के साथ यिलकर अपनी अनुदी युहिम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण अभियान में जुटी हुई है। कश्मीर यात्रा दल ने कश्मीर के गिल अनंतनाग के वेणीगां, गोपरबल,



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:24.03.2023

AAJ SAMAJ

एहिमे विश्वविद्यालय, जापान ने जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के साथ शोध में दिखाई रुचि

एहिमे विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने किया जे.सी. विश्वविद्यालय का दौरा

समझौता

- उभरती पौद्योगिकियों के क्षेत्र में परस्पर शोध भागीदारी करने वालों द्वाना विश्वविद्यालय



www.merriam-webster.com

फरीदाबाद: एकमें विश्वविद्यालय, जागतिक के दो सहस्रों से अधिक प्रातिनिधित्वदाल ने मुख्यमंत्री को जैशी ओम विजया एवं प्रीतिविमोंकी विश्वविद्यालय, वाराणसीवाल, फरीदाबाद का दौरा किया, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के वाच व्याख्यात के रैण्डिशन और अनुभावन सहयोग को सम्पन्न और विद्या-विषयों बढ़ावा देना। प्रातिनिधित्वदाल ने उच्चतम श्रीप्रीतिविमोंको के लिए एवं वर्षान्त योग प्राप्तिविमों के सम्बन्ध में सही भी विवादों

सैनिक विश्वविद्यालय में पढ़िये विश्वविद्यालय, जारी हो सके और नेत्र प्रकाशन भवानी और योगी विज्ञानीयों के लिए उत्तम देश है। दोनों विश्वविद्यालयों में कुलकर्णी प्रो. मुख्यमंत्री काला लोटी और अवधारणा में नियमित अनुसंधान एवं परिवेश विश्वविद्यालय के बारे में विवरण दिया और अनुसंधान में विश्वविद्यालय के मूलन लोगों और समर्पणों पर ध्यान दिया। इस अवसर पर लोगों द्वारा कुलकर्णी प्रो. मुख्यमंत्री ने वाराणसी विश्वविद्यालय लक्ष्मीनारायण शिला के साथ

विकास) प्रो. नरेश यौहन, विभिन्न विद्यालयों के हाँग एवं विविध विद्यालयों के सभा बैठक की। बैठक के दौरान, प्रो. यौहन ने विश्वविद्यालय के चारों में भिन्नता परिचय दिया और अनुसंधान में विश्वविद्यालय के मुख्य लोकों और उपलब्धियों से अवकाश कराया। इस अवसर पर वहाँ से हाँग कुरुक्षेत्र प्रो. लोपान ने कहा कि जल्दी सेवा विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा के बोध में अड्डणी विश्वविद्यालय है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का अनुसंधान और विकास नवीनीकारी को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान है और वह अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्थानों के साथ वित्तकर अनुसंधान गटीकोषों को बढ़ावा देने के अवसरों का वापस लाने पर प्रधान का इच्छा है। इसके अनुसंधान विश्वविद्यालय ने तुम्हारे के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ संबंध कराने की घोषणा की है। अंतर्राष्ट्रीय गैरीजिङ्क

अटीटिविश्वास इंटरेनिंग, साइक्सर
सुरक्षा, कल्पिक-वेन, लियोधमल और
इक मैकेनिकल सहित उभरती
प्रौद्योगिकी के बोर्ड में अनुबंधन
मालिंग वी सफानन-ओ पर काम करने
का इच्छा है।

बैठक को संविधान करते हुए प्रा. चंद्रशीरा ने कहा कि एकेहे विश्वविद्यालय जागरूक के राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है जिसको स्थापना 1949 में हुई थी। इसके दो कैम्पस और उन्हें बोर्ड विश्वविद्यालय भारतीयामें नहीं हाजर रहे हैं। जो चंद्रशीरा ने कहा कि जागरूक भवनवार तुम्हारा भार के प्रमुख विश्वविद्यालय है, विश्वविद्यालय में भारत के सभी विश्वविद्यालयों की जागरूक में विश्वास और रोपण के लिए उत्तमी प्रयत्न जागरूक-प्राधान के बलाकोंमें भी बहुत दृष्टि के लिए उत्तम है। उन्होंने कहा कि जागरूक कर जागरूक करना उत्तमता के अवसरों से भर है; इसके लिए, जागरूक के अवसरों विश्वविद्यालयों तथा विद्यालयों के बाद तीसरे का विविध विषय ज्ञान और जुनून है। उन्होंने दो संबंधित के बाब्त अनुसंधान सहायता की संभावना पर भी चर्चा की। बाद में, प्राविधिकीयविद्यालय ने विविध विद्यालयों की ओर दौड़ा विद्या और विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्ति की जा रही अनुसंधान सुविधाओं का जागरूकता लिया।



NEWS CLIPPING:24.03.2023

PIONEER

एहिमे ने जेसी बोस के साथ शोध में दिखाई रुचि

एहिमे विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने किया जेसी विश्वविद्यालय का दौरा

पाठ्यनियम समाचार सेवा। फरीदाबाद

एहिमे विश्वविद्यालय, जापान के दो सदस्योंय शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल ने आज जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाइ-एमसीए, फरीदाबाद का दौरा किया। जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के साथ भविष्य के शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को समझना और विचार-विमर्श करना था। प्रतिनिधिमंडल ने उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में परस्पर शोध भागीदारी के संभावित क्षेत्रों में रुचि भी दिखाई।

शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल में एहिमे विश्वविद्यालय, जापान से प्रो. नेत्र



एहिमे विश्वविद्यालय, जापान के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करते हुए, कुलपति प्रो. एम्से तोमर और अन्य अधिकारीगण।

प्रकाश भंडारी और प्रो. नाओकी किनोशिता शामिल थे। दोनों प्रतिनिधियों ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की अच्छक्षता में निदेशक (अनुसंधान एवं विकास) प्रो. नरेश चौहान, विभिन्न शिक्षण विभागों के डॉन एवं विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, प्रो. चौहान ने विश्वविद्यालय के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया और अनुसंधान में

विश्वविद्यालय के मुख्य क्षेत्रों और क्षमताओं से अवगत कराया।

इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि जे.सी.बोस विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान है और यह अंतरराष्ट्रीय रुचाति के

संस्थानों के साथ मिलकर अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के अवसरों का पता लगाने का प्रयास कर रहा है। इसलिए, विश्वविद्यालय ने दुनिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ संवाद करने की पहल की है।

अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक समुदाय के साथ संवाद को महत्वपूर्ण बताते हुए, कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि विज्ञान और अनुसंधान की कोई सीमा नहीं होती। विश्वविद्यालय तभी फलते-फूलते हैं जब वे अनुसंधान के लिए एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि जापान और भारत सार्वकृतिक रूप से एक-दूसरे के बहुत करीब हैं। प्रो. तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन, जियोथर्मल और रॉक मैकेनिक्स सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान है और यह अंतरराष्ट्रीय रुचाति के



NEWS CLIPPING:24.03.2023

REPCO NEWS

एहिने विश्वविद्यालय, जापान ने जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के साथ शोध में दिखाई लहि

फरीदाबाद: 22 मार्च (रपको न्यूज़/नरेज़ नलाला)। यहि विभिन्नताओं जापान के दो रसायनिक शिक्षक प्रतिनिधित्वने ने आज ऐसे जैवि औषधि नए विशेषज्ञतालाल, वाइमेसी, फरीदाबाद का दौरा किया। विशेषज्ञतालाल के साथ भारतीय के वैज्ञानिक और अनुसंधान संगठनों को समर्पण और विवाद-विमर्श करना था। प्रतिनिधित्वने उन अप्रत्येक विशेषज्ञताओं के सेवा में प्राप्तारोगिक प्राप्तियां के सम्बन्धीय विषयों में धृति भी दिया।

जैसे कि अतिरिक्त विनाशक या विनाशक विद्युतीय जायजन से प्रो. नेप प्रकाश भट्टरावी प्रो. नारायण किंविता रामानू आदि। वे दोनों विद्युतीय विनाशक के कल्पनाएँ प्रो. स्टीलर का तरमुक की अध्ययन में विनाशक (अनुसंधान एवं विकास) का नरेस जौहान, विनाशक विशेषज्ञ विभागों के द्वारा एवं विभिन्न विद्यालयों के साथ बढ़ाव की। वेळेके द्वारा, प्रो. जौहान द्वारा विनाशक विद्युतीय कार्य के बारे में विवरण प्रदान दिया और अन्यविद्यार्थी में

न विश्वविद्यालय के बारे में संक्षेप पाठ्य ग्रन्थों और अनुसंधान में विश्वविद्यालय के मुख्य विभिन्न और विभिन्न विभागों से अलगता कहा जाता है। इस अवसर पर योग्यता हुए कृत्तव्यों प्राप्ति, तात्पर न करता कि जो सौंदर्य विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में असुरक्षित है। उसके विश्वविद्यालय का अनुसंधान और विश्वविद्यालय विभागों को बढ़ावा देने पर विश्वविद्यालय के अंतर्गत अन्य अवसरों पर उत्तमता के संस्थानों के साथ प्रियकर अनुसंधान परिवर्तनियों को बढ़ावा देने के



ने दुनिया के प्रमुख विद्यालयों के साथ संवाद करने की पहल की है। अतः राष्ट्रीयों

इस सहयोग से दोनों विद्यालयों को लाभ होगा। प्रो. तोमर ने कहा कि विद्यालय आठवींवर्षीय टॉटलिज़िम, साइबर सुरक्षा, कृषि-इन्डस्ट्री, जीवाणुप्रैल और रोक मैक्रोसिस सहित उत्तरी प्रशासनियों के क्षेत्र में अनुभाग सहयोग की सभावनाओं पर काम करने का इच्छुक है।

वैश्विक समर्पण के साथ संवर्द्ध का अनुभव हो रहा है। यह कृतियों पर लोगों ने जब विचारणा और अनुसन्धान की कार्रवाई में नहीं लगाई। विश्वविद्यालय तक पहुँचने वाले जैव विज्ञान के अनुसन्धान के लिए एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हैं। उन्होंने कार्रवाई के बहुत कठीनी से विश्वविद्यालय के जागरूक विज्ञानिकों में से एक है जिसका नाम 1949 में हुई थी। इसकी दो अधिक ओर फैलने वाली एक दूसरी है और विभिन्न प्राचीन संस्कृतों में ज्ञान का संरक्षण और विवरण पढ़ने के लिए एक अन्य विभाग पढ़ रही है। प्रो. भट्टाचार्य ने कहा कि जागरूक संवर्द्ध का अनुभव विभिन्न विद्यालयों के जागरूक संस्कृत विद्यालयों में भवति के साथ विद्यालयों को जागरूक करने वाली अधिकारी के द्वारा विभिन्न विद्यालयों को जागरूक करने के लिए शोधकार्य अनुसन्धान-प्रयोग के बीच अभियान करने के लिए उत्तरवाह है। उन्नेस का कहा कि जागरूक कालायान का विवरण देने के अनुसार है कि द्वितीय युद्ध में अमेरिका ने अनुसन्धान विभागों को विश्वविद्यालय के बाहर योग्य का विकास नहीं करने चाहता है। उन्नेस द्वारा संयोजित विभागों का दौरा विद्यालयों और विश्वविद्यालय द्वारा प्रयोग की जा रही अनुसन्धान विभागों को जायगा दिया।



NEWS CLIPPING:24.03.2023

HINDUSTAN

| पहल | जेसी बोस विश्वविद्यालय के छात्र पहले चरण में गांव सीकरी में सात दिवसीय शिविर में मार्ग लेंगे, ग्रामीणों से संवाद करने का भी गोका मिलेगा

गांव में सामाजिक गतिविधियों का अध्ययन करेंगे छात्र

फारीदाबाद, बरिष्ठ संवाददाता। जेसी बोस विश्वविद्यालय के छात्र यात्रों को सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को अध्ययन करेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तुरफ से पहले चरण के लिए नियमित गांव सीकरी में सात दिवसीय शिविर आयोजित किया जाएगा।

शिविर में शामिल छात्रों को प्रो. अदीप डिमरी, प्रो. देवप्रसाद भारद्वाज डॉ. पवन महिल और अतुल मिश्र का नामदारीन प्राप्त होगा। साथ ही छात्रों को इस ग्रामीण विश्वविद्यालय के माध्यम से ग्रामीण परिवेश, संरक्षण, लोकाचार

और सामाजिक कार्य आदि गतिविधियों को कर्तव्यशाला के माध्यम से समझने का गोका मिलेगा। छात्र सात दिन ज्ञानीण इलाके में अवैत्तीन करेंगे ऐसे में छात्र को ग्रामीणों के साथ संवाद भी छात्र कर सकेंगे।

छात्रों को इस दौरान गांव की सामाजिक समस्या और स्वास्थ्य जैसी समस्याओं का अध्ययन करने का गोका मिलेगा और छात्र सांस्कृतिक गतिविधियों से भी रूबरू हो सकेंगे। इस शिविर में छात्र हर दिन समाज कार्य से जुड़े विशेषज्ञ समाजकार्य से अलगने अनुष्ठानों को साझा करेंगे।

सीकरी में आज कार्यशाला

समाजपाली पाठ्यालय के तहत जो सी. बोस विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा यात्रीशाला बुद्धिमत्ता यथा ग्राम सीकरी में शुरू होगी। सात दिवसीय शिविर में अपोइन्टमेंट कार्यशाला और दिव्या जाएगा। ग्रामीण परिषेष्य में समाजकार्य के छात्रों के लिए एक आयोजन होता है। इसमें छात्र समाज कार्य की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करेंगे तथा शिक्षा, व्यापार, जीवनकर्त्ता में समाजकार्य के नवाप्रयोगों को सीखेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलकीत प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि इस प्रकार के शिविर छात्रों को अनुष्ठव आधारित शिक्षा के साथ साथ उनके सवार्थीण

असमानता दूर करने पर जोर प्रो. यशन महिल कहते हैं कि शिविर में प्राविक छात्र को गोका की प्रक्रिया में प्रतिभागिता करनी होगी और असमानताओं को दूर करने पर उचित और दिव्या जाएगा। ग्रामीण परिषेष्य में शिक्षा का अधिकार कानून लिंग और सामाजिक स्थिति पर अध्ययन करना और वहाँ की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का अध्ययन करना प्रभुता रहेगी।

विकास का भी अवसर प्रदान करते हैं जो विश्वविद्यालय का मिशन भी है। विश्वविद्यालय छात्रों को ऐसे तमाम अवसर उपलब्ध करावाने के लिए

सांस्कृतिक महत्व समझौते महत्वपूर्ण शिविर में सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व को छात्र के द्वारा समझ सकेंगे। साथ ही इनमें आई विकलिंगों को भी पहचान कर उनके समाजन बनाने का लक्ष्य भी है। जिससे प्राविक नागरिक को सदृढ़ता होने और अचूक समाज का निर्माण होने में सहयोग मिल सकेंगे। ग्रामीण सांस्कृतिक गतिविधियों का मुख्य लक्ष्य भी सकार ही सकेगा।

प्राविक है जिसमें छात्रों को अपनी प्रतिभा और कौशल को निखालने का अवसर मिले। ग्रामीण परिषेष्य में भी भारतीय संस्कृति का सरकान है।



NEWS CLIPPING:24.03.2023

AMAR UJALA

कश्मीर से लौटे छात्रों ने कहा, अनुच्छेद 370 हटने से बदलाव हुआ

फरीदाबाद। दिमाग में कश्मीर, दिल में कश्मीरियत, हाथों में तिरंगा है। डल झील में शिकार पर खानपान से लेकर खरीदारी तक का अद्भुत अनुभव रहा।

कहाँ, कश्मीरी पांडितों का दर्द छलका तो उनकी घर चापसी की उम्मीद भी जगी। ये अनुभव साझा किए कश्मीर के रीक्षणिक दौरे से लौटे जेसी बोस.

विश्वविद्यालय के मौर्डिया विद्यार्थियों ने। छात्रों के दल ने अनुच्छेद 370 हटने के बाद की परिस्थिति का आकलन किया।

जम्मू व कश्मीर में वास्तविक परिस्थिति का अध्ययन कर लौटे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. मुशील कुमार तोमर ने बधाइ दी। संचार एवं मौर्डिया प्रौद्योगिकी विभाग के डीन प्रो.

अतुल पिंडा ने कहा कि जिस उद्देश्य के साथ विद्यार्थी जम्मू व कश्मीर अध्ययन के लिए गए थे, वह पूरा हुआ है। विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह मलिक ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में जाकर वहाँ की वास्तविक स्थिति का अध्ययन करना विद्यार्थियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। संबाद